



राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन की मासिक पत्रिका

स्काउट गाइड

वर्ष-23 | अंक-07 | फरवरी 2023 | कुल पृष्ठ-32 | मूल्य-₹ 15

ज्योति



Progress
Jamboree

4-10 JANUARY 2023
ROHAT, PALI MARWAR, RAJASTHAN

RAJASTHAN



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का शुभारम्भ समारोह



महामहिम राष्ट्रपति को स्मृति चिन्ह प्रदान करते हुए राजस्थान के माननीय राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं प्रदेश स्काउट संगठन के अध्यक्ष।



जम्बूरी में विकास प्रदर्शनी का उदघाटन करते हुए माननीय मुख्यमंत्री महोदय।

स्काउट गाइड ज्योति

वर्ष : 23 अंक : 07

फरवरी, 2023

सलाहकार मण्डल

निरंजन आर्य

आई.ए.एस. (से.नि.)

स्टेट चीफ कमिश्नर



गौरव अग्रवाल, आई.ए.एस.

स्टेट कमिश्नर (स्काउट)



नर्मल पंवार

स्टेट कमिश्नर (रोवर)



डॉ. भंवर लाल, आई.ए.एस.

स्टेट कमिश्नर (कब)



महेन्द्र कुमार पारख, आई.ए.एस.

स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)



रूक्मणि आर.सिहाग, आई.ए.एस.

स्टेट कमिश्नर (गाइड)



शुचि त्यागी, आई.ए.एस.

स्टेट कमिश्नर (रेंजर)



टीना डाबी, आई.ए.एस.

स्टेट कमिश्नर (बुलबुल)



मुग्धा सिन्हा, आई.ए.एस.

स्टेट कमिश्नर (एडल्ट रिसोर्स)



स्टेट कमिश्नर (हैडक्वार्टर्स-स्काउट)

नवीन महाजन, आई.ए.एस.

नवीन जैन, आई.ए.एस.

डॉ. एस.आर. जैन

एस.के.सोलंकी, आई.ए.एस. (से.नि.)

डॉ. अखिल शुक्ला



स्टेट कमिश्नर (अहिंसा, शांति-समन्वय)

मनीष कुमार शर्मा



राज्य कोषाध्यक्ष

ललित कुमार मोरोडिया

राज.लेखा सेवा

सम्पादक

डॉ. पी.सी.जैन

राज्य सचिव

सहायक सम्पादक

नीरज जैन



इस अंक में

विषय	पृष्ठ संख्या
● दिशाबोध	4
● 18वीं राष्ट्रीय स्काउट-गाइड जम्बूरी	5
● भारतीय वायुसेना की टीम ने प्रतिभागियों को किया रोमांचित	6
● भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का अभिभाषण	7
● महामहिम को सलामी	9
● 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में राजस्थान नाइट	10
● कैम्प क्राफ्ट	11
● जम्बूरी प्रातःकालीन झण्डारोहण	12
● साहस और रोमांच से परिपूर्ण साहसिक गतिविधियाँ	15
● जम्बूरी में ग्रामीण परिवेश की झाँकी	16
● OVERSEAS CONTINGENT	17
● विविध झाँकी प्रदर्शन	18
● एथनिक शो	20
● राजस्थान दिवस	21
● 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का समापन समारोह	22
● 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का पुरस्कार समारोह	25
● राजस्थान की गौरवमयी उपलब्धि	26
● जम्बूरी में उपलब्धियाँ	28
● स्टेट द्वार	30
● गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण	31

लेखकों से निवेदन

स्काउट गाइड ज्योति का प्रकाशन मात्र प्रकाशन भर नहीं है बल्कि यह पत्रिका हमारे संगठन का दर्पण है, जो आयोजित हो चुकी गतिविधियों को प्रस्तुत करने, संगठन के कार्यों और इसके प्रशिक्षण तथा अन्य समाजोपयोगी क्रियाकलापों के विचारों को प्रकट करने का सशक्त माध्यम है।

समस्त पाठकों, सृजनात्मक एवं रचनाधर्मी प्रतिभाओं से स्वलिखित, मौलिक व पूर्व में अप्रकाशित स्काउटिंग गाइडिंग से संबंधित लेख, यात्रा वृत्तान्त, कैम्प क्राफ्ट संबंधी लेख, प्रशिक्षण विधि, पाठक प्रतिक्रिया आदि प्रकाशनार्थ आमंत्रित हैं। आपके अनुभव प्रत्येक स्काउट गाइड के लिए अमूल्य हैं। आप द्वारा प्रेषित सामग्री आपके नाम व फोटो के साथ प्रकाशित की जावेगी। लेख स्पष्ट टंकित हो तथा उस पर यह अवश्य लिखा हो कि 'यह लेख मौलिक एवं अप्रकाशित है'।

प्रकाशनार्थ सामग्री हमारी ईमेल आई.डी. scoutguidejyoti@gmail.com पर भिजवाई जा सकती है।

स्काउट गाइड ज्योति वार्षिक सदस्यता शुल्क

व्यक्तिगत शुल्क : 100/- संस्थागत शुल्क : 150/-

आजीवन सदस्यता शुल्क

1200/-

शुल्क राशि राज्य मुख्यालय जयपुर पर एम.ओ. अथवा 'राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एण्ड गाइड, जयपुर' के नाम डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा जमा कराई जा सकती है।

नोट : स्काउट गाइड ज्योति में छपे/व्यक्त विचार प्रस्तोता के अपने हैं।

यह जरूरी नहीं है कि संगठन इनसे सहमत ही हो।

दिशाबोध



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का ऐतिहासिक आयोजन

मुझे यह लिखते हुए अति हर्ष हो रहा है कि राजस्थान के ग्राम निम्बली ब्राह्मणान, रोहट-पाली में 04 से 10 जनवरी 2023 तक सम्पन्न भारत स्काउट गाइड की 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का आयोजन बहुत ही सराहनीय, ऐतिहासिक व अद्वितीय रहा है। राजस्थान को 67 वर्ष बाद 18वीं राष्ट्रीय स्काउट गाइड जम्बूरी की मेजबानी करने का सुअवसर प्राप्त हुआ, जिसमें देश-विदेश से 37000 से भी अधिक स्काउट्स एवं गाइड्स ने भाग लिया।

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का उद्घाटन महामहिम राष्ट्रपति महोदय द्वारा दिनांक 04 जनवरी, 2023 को किया गया। उद्घाटन समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय, माननीय मुख्यमंत्री महोदय, माननीय शिक्षा मंत्री महोदय एवं अन्य गणमान्य महानुभाव उपस्थित हुए, जो राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन के लिए गौरव का विषय रहा। यह आयोजन माननीय मुख्यमंत्री महोदय श्रीमान् अशोक गहलोत साहब के सहयोग, निरीक्षण व आशीर्वाद से ही संभव हो सका है।

राष्ट्रीय जम्बूरी के ऐतिहासिक आयोजन की भौतिक व्यवस्थाओं (भूमि समतलिकरण, रोड़, पानी, बिजली, आवास, शौचालय, चिकित्सा, भोजन, यातायात व्यवस्था, रेल सुविधाएं, दूरसंचार व्यवस्था, टेक्नोलॉजी, प्रदर्शनी, सुरक्षा, एडवेंचर गतिविधियां, नगर भ्रमण, कानून व्यवस्था आदि) के लिए रीको, सार्वजनिक निर्माण, चिकित्सा, दूरसंचार विभाग, डेयरी, जिला प्रशासन पाली व जोधपुर, पुलिस, पर्यटन, यातायात, पंचायती राज, जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी, विद्युत वितरण निगम लि., एस बी आई, सुलभ इन्टरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, सूचना एवं जनसम्पर्क, आर्मी, वायु सेना, डाक, शिक्षा विभाग, नगर निगम जोधपुर, नगर परिषद् पाली, एन.डब्ल्यू.आर. एवं अन्य विभागों का सराहनीय योगदान रहा है। जिसकी प्रशंसा पूरे राष्ट्र में की जा रही है। राष्ट्रीय जम्बूरी का सफल आयोजन आप स्वयं एवं आपके सहयोगी स्टाफ के सक्रिय सहयोग से ही सफल हो सका है। इस भव्य ऐतिहासिक आयोजन के लिये राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड संगठन आपका आभारी है एवं धन्यवाद ज्ञापित करता है। आपसे भविष्य में भी इस प्रकार के सहयोग की अपेक्षा है।

जम्बूरी में स्काउट गाइड को अनेक प्रदेशों की कला, संस्कृति, रहन-सहन, वेशभूषा, खान-पान के आदान-प्रदान का सुअवसर प्राप्त हुआ। हमारा लक्ष्य था कि राजस्थान में आयोजित हो रही 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी को हम अपने चिर-परिचित राजस्थानी अंदाज में स्काउटिंग की मौलिकता को समाहित करते हुए विराट व भव्यता के साथ आयोजित करें। इसमें कोई अतिशयोक्ति नहीं कि राजस्थान ने अपने लक्ष्य की प्राप्ति में शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की है। इस सफलता के लिए जम्बूरी में संभागित्व करने वाले सभी देशों एवं प्रदेशों के स्काउट गाइड एवं उनके पदाधिकारीगण तथा भारत स्काउट व गाइड के सभी पदाधिकारियों ने पूरे जोश, उत्साह व उमंग के साथ सहभागिता कर इस आयोजन को यादगार व सफल बनाया। एतदर्थ प्रदेश संगठन सभी का हार्दिक आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करता है।


निरंजन आर्य
स्टेट चीफ कमिशनर

संपादकीय

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का सफल एवं ऐतिहासिक आयोजन राजस्थान प्रदेश के लिए गौरव की बात है। हमारे प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री जी ने राजस्थान में जम्बूरी के आयोजन की जो नींव रखी थी, उसे साकार रूप प्रदान करने में हमारे स्टेट चीफ कमिशनर श्री निरंजन आर्य साहब का सभी कार्यकर्ताओं को जो मार्गदर्शन प्राप्त हुआ, उसी के परिणामस्वरूप यह अविस्मरणीय एवं गौरवपूर्ण जम्बूरी पाली (राजस्थान) की धरा पर सुनहरी यादों तथा कई उपलब्धियों के साथ सानन्द सम्पन्न हुई।

हर्ष की बात है कि राजस्थान दल ने विजय पताका पुनः अपने नाम कर प्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। प्रदेश के सभी कार्यकर्ताओं को इस सफलता के लिए हार्दिक बधाई।

हमारा अतीत उज्ज्वल था वर्तमान प्रकाशवान है और भविष्य भी इसी भांति आलोकित रहेगा। इसी आशा के साथ प्रदेश संगठन की ओर से सभी को विश्व स्काउट व गाइड चिन्तन दिवस की शुभकामनाएं...


डॉ. पी.सी. जैन
राज्य सचिव

18वीं राष्ट्रीय स्काउट-गाइड जम्बूरी

शुभारम्भ समारोह



- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने राष्ट्रीय जम्बूरी का किया उद्घाटन,
- राजस्थान में 67 साल बाद राष्ट्रीय जम्बूरी का आगाज,
- शौर्य-पराक्रम की धरा पर 37000 से अधिक स्काउट व गाइड का महाकुंभ,
- राष्ट्रीय जम्बूरी में 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का संदेश,
- भारतीय वायु सेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम ने किया दर्शकों को रोमांचित

स्काउट-गाइड बनना हमारे लिए गर्व

- मुख्यमंत्री

4 जनवरी, 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने पाली जिले के रोहट में 18वीं राष्ट्रीय स्काउट-गाइड जम्बूरी का उद्घाटन किया। राष्ट्रपति ने भारत सहित विभिन्न देशों से आए 37 हजार से अधिक स्काउट एवं गाइड का स्वागत करते हुए इस सम्मेलन को युवाओं के नायाब जोश एवं ऊर्जा का समागम बताया। युवाओं की यह सभा मिनी यंग इंडिया है। उन्होंने कहा कि स्काउट तन-मन से इंसानियत एवं समाज सेवा का काम करते हैं। यह गर्व की बात है कि पूरे देश में सबसे अधिक संख्या में स्काउट साहस एवं वीरता के प्रतीक राजस्थान की भूमि से हैं।

समारोह में राष्ट्रपति ने भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स का ध्वज फहराया। बैण्ड वादन के बीच राष्ट्रपति ने जम्बूरी परेड का अवलोकन किया। देश विदेश से आए स्काउट-गाइड के विभिन्न

स्काउटिंग का विशिष्ट गुण है त्याग और सेवा

- राज्यपाल

राज्यपाल श्री कलराज मिश्र ने कहा कि राष्ट्रीय जम्बूरी का यह ऐतिहासिक आयोजन राजस्थान में होना एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि अनुशासन, सेवा और समर्पण से जुड़ा यह संगठन मूलतः वसुधैव कुटुम्बकम् की भारतीय संस्कृति से ही जुड़ा है। उन्होंने जम्बूरी में भारत और सार्क देशों से आए प्रतिनिधियों का अभिनंदन करते हुए स्काउट-गाइड संगठन द्वारा सर्वकल्याण को प्राथमिकता देकर मानव सेवा को अपना ध्येय मानते हुए कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी में भी स्काउट-गाइड ने अनुकरणीय कार्य कर सेवा भाव का परिचय दिया। राज्यपाल ने कहा कि त्याग और सेवा ही स्काउटिंग का विशिष्ट गुण है। इसी भाव से जीवन को सार्थक बनाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि जीवित वही हैं, जो दूसरों की सेवा के लिए जीते हैं।

दलों ने राष्ट्रपति के समक्ष मार्च पास्ट कर उन्हें सलामी दी।

राष्ट्रपति ने कहा कि भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स संगठन द्वारा लगभग 115 वर्षों से

मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने कहा कि राष्ट्रपति की उपस्थिति में राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी करना गौरव की बात है। स्काउट-गाइड बनना ही गर्व का विषय है। मैं स्वयं भी बचपन से स्काउटिंग से जुड़ा हूँ। यहाँ अनुशासित रहने, समाज सेवा करने, देश की महान संस्कृति निभाने की सीख मिलती है।

अलग-अलग संस्कृति, भाषा और परम्परा वाले देश में राष्ट्रीय जम्बूरी एकता का संदेश दे रही है। उन्होंने कहा कि स्काउटिंग से आने वाली पीढ़ियों को महान संस्कार मिलेंगे। यह हमारे भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी है, जो हमेशा बनी रहेगी। यहाँ सीखे गए कुशल प्रबंधन से हम भविष्य की चुनौतियों का सामना आसानी से कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि युवाओं में राष्ट्रीय जम्बूरी से देश सेवा का संकल्प और मजबूत होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि जम्बूरी के आयोजन में राज्य सरकार का पूरा सहयोग रहा है।

श्री गहलोत ने कहा कि प्रदेश में 12 लाख से अधिक स्काउट्स एवं गाइड्स हैं। इन्होंने अनुशासित सिपाही की तरह कार्य कर कोविड प्रबंधन में अहम भूमिका निभाई है। समाज इनकी अनुकरणीय सेवाओं को सम्मान देता है। मुख्यमंत्री ने देश के विभिन्न राज्यों तथा घाना, मलेशिया, सउदी अरब, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, नेपाल सहित विभिन्न देशों से आए स्काउट-गाइड और अधिकारियों का स्वागत किया।

युवाओं को प्रशिक्षित करने का कार्य किया जा रहा है। आजादी से पहले भी महात्मा गांधी सहित अन्य कई लोग इस संगठन के

प्रशंसक रहे। उन्होंने कहा कि देश का सबसे बड़ा यह संगठन चरित्र निर्माण के लिए जो कार्य करता है, वह अद्भुत है। इस संगठन में 63 लाख से अधिक स्काउट एवं गाइड हैं। कठिन अनुशासन एवं आत्म समर्पण के साथ समाज की सेवा करने के लिए संगठन बधाई का पात्र है। (राष्ट्रपति जी द्वारा दिया गया पूर्ण उद्बोधन इसी अंक में प्रकाशित है।)

समारोह में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री ने स्मृति चिन्ह भेंट कर राष्ट्रपति का स्वागत किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति द्वारा जम्बूरी के विशेष पोस्टल आवरण विमोचन किया गया तथा राज्यपाल द्वारा जम्बूरी स्मारिका तथा जम्बूरी पत्रिका का विमोचन कर प्रथम प्रति राष्ट्रपति जी को भेंट की गई। इस दौरान 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। समारोह स्थल पर हेलिकॉप्टर द्वारा पुष्प वर्षा भी की गई।



इस अवसर पर शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, कृषि मंत्री श्री लालचंद कटारिया, शिक्षा राज्यमंत्री श्रीमती जाहिदा खान, राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष श्री धर्मेन्द्र राठौड़, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल

कुमार जैन, मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के. के. खण्डेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य सहित राष्ट्रीय व राज्य संगठन के पदाधिकारियों सहित 37 हजार से अधिक स्काउट व गाइड उपस्थित रहे।

भारतीय वायुसेना की टीम ने प्रतिभागियों को किया रोमांचित



जम्बूरी शुभारम्भ कार्यक्रम के दौरान भारतीय वायुसेना की सूर्यकिरण एरोबेटिक टीम के द्वारा विभिन्न फॉर्मेशन तथा हवाई करतब देखकर वहां मौजूद अतिथिगण, प्रतिभागी एवं जनसमूह रोमांचित हो गए। सभी ने टीम द्वारा दिखाए करतबों व आपसी समन्वय की तारीफ की तथा तालियों के साथ उनका उत्साहवर्धन किया।



भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का अभिभाषण

18वीं राष्ट्रीय स्काउट-गाइड जम्बूरी में संबोधन



भारत स्काउट्स और गाइड्स के 18वें राष्ट्रीय जम्बूरी को संबोधित करते हुए मुझे हर्ष का अनुभव हो रहा है। मुझे बताया गया है कि आज देश भर से लगभग पैंतीस हजार स्काउट्स और गाइड्स यहां इकट्ठे हुए हैं। मैं यहां उपस्थित आप सभी लोगों का हार्दिक अभिवादन करती हूं और अन्य देशों के स्काउट्स और गाइड्स का भी स्वागत करती हूं। यहां बड़ी संख्या में आपकी उपस्थिति आपके आदर्श वाक्य “Be Prepared” के प्रति आपकी दृढ़ प्रतिबद्धता का प्रमाण है। युवाओं के इस सम्मलेन में यह वाक्य नए साल में एक नए जोश और ऊर्जा भरने का काम करेगा। मैं आपको इस नए साल की बधाई देती हूं और इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए भारत स्काउट्स और गाइड्स की पूरी टीम की सराहना करती हूं।

स्काउट्स और गाइड्स जो भी काम करते हैं, पूरे दिल से करते हैं। इसीलिए, स्काउट्स और गाइड्स जब हाथ मिलाते हैं तो बायां हाथ बढ़ाते हैं। इसके पीछे यह गहरी सोच है कि हर इंसान का दिल बाईं तरफ ही होता है। देश के 63 लाख से अधिक स्काउट्स और गाइड्स पूरे दिल से काम करते हैं, यह हमारे देश के लिए बहुत ही खुशी की बात है, और गर्व की भी। यही नहीं, पूरी दुनिया में स्काउट्स और गाइड्स तन-मन-धन से दूसरे के हित में, समर्पण के भाव से काम कर रहे हैं। यह पूरी मानवता के लिए कल्याणकारी है। मैं चाहती हूं कि इंसानियत और मोहब्बत का यह जज्बा, सभी लोग इन बच्चों से सीखें और अपनी जिंदगी में ढालें।

मुझे बताया गया है कि वर्ष 1956 में जयपुर में मेजबानी करने के बाद आज लगभग 67 वर्षों के अंतराल के बाद राजस्थान, राष्ट्रीय जम्बूरी की मेजबानी कर रहा है। मुझे खुशी है

कि यह जम्बूरी एक ऐसी भूमि पर आयोजित हो रही है जो साहस और वीरता का प्रतीक है। मुझे इस बात की भी खुशी है कि सबसे अधिक संख्या में स्काउट्स राजस्थान से हैं। आप सभी इस राज्य के अतिथि-सत्कार और सांस्कृतिक विरासत का आनंद लें।

भारत स्काउट्स और गाइड्स का गौरवपूर्ण इतिहास है। लॉर्ड रॉबर्ट बैडेन पॉवेल ने सेवा की भावना से युवाओं को प्रशिक्षित करने के महान उद्देश्य से यह कार्य शुरू किया। इस कार्य को भारत में आजादी से पहले ही मामूली संशोधन के साथ अपनाया गया। इसके प्रशंसकों में महात्मा गांधी और अन्य प्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी शामिल थे। ब्रिटिश हुकूमत के दौरान, भारत में, इस अभियान से जुड़े कुछ पूर्वाग्रह थे, जो स्वतंत्रता के बाद समाप्त हो गए। आजाद भारत में, इस अभियान को धीरे-धीरे व्यापक रूप से स्वीकार किया गया।

मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि आज भारत स्काउट्स और गाइड्स देश का सबसे बड़ा स्वैच्छिक, गैर-राजनीतिक, वर्दीधारी युवा संगठन और शैक्षिक आंदोलन है। यह पंथ, नस्ल या लिंग के किसी भेदभाव के बिना लड़कों और लड़कियों के चरित्र-निर्माण के लिए कार्य करता है। 63 लाख से अधिक स्काउट्स और गाइड्स की सदस्यता के साथ, भारत का यह संगठन विश्व के सबसे बड़े स्काउट्स और गाइड्स संगठनों में से एक है।

इस संगठन में बालिकाओं अर्थात गाइड्स की संख्या 24 लाख से अधिक है। यह एक अच्छी संख्या है जिसे और भी बढ़ाए जाने की जरूरत है। मैं, समाज और मानवता के कल्याण के लिए कठोर अनुशासन और आत्म-सुधार के इस मार्ग पर चलने के लिए सभी लड़कियों को विशेष रूप से बधाई देती हूं।

प्रिय स्काउट्स और गाइड्स,

स्काउट या गाइड के रूप में यात्रा शुरू करने से पहले आपने खुद से जो वादा किया है, उससे मैं विशेष रूप से प्रभावित हूँ। क्योंकि आप व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि समाज के सामूहिक कल्याण के लिए स्वयं को शारीरिक रूप से मजबूत, मानसिक रूप से जागृत और नैतिक रूप से सही रखने का वादा करते हैं। वास्तव में, आप एक पक्कावादा करते हैं जिसे आप भरोसे, निष्ठा, भाईचारे, विनम्रता, प्रकृति प्रेम, अनुशासन, साहस और मितव्ययिता के गुणों के साथ निभाने का प्रयास करते हैं। मैं इन सभी विशेषताओं को उच्च चेतना के रूप में देखती हूँ जिसकी अनुभूति और पालन कर दुनिया को एक बेहतर जगह बनाते हैं।

आप एक समृद्ध विरासत के उत्तराधिकारी हैं। मानवाधिकार और समानता के पुरोधा, डॉ. मार्टिन लूथर किंग जूनियर, जिन्होंने नस्लवाद के विरुद्ध बहादुरी से लड़ाई लड़ी, एक स्काउट थे। तकनीक में क्रांति लाने वाले बिल गेट्स ने भी स्काउट के रूप में काम किया था। उनकी सेवाओं के लिए उन्हें अमेरिका में सर्वोच्च बॉय स्काउट सम्मान, सिल्वर बफेलो से भी सम्मानित किया गया है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं। उनकी सफलता का कारण, सार्वभौमिक मूल्य और लोकाचार हैं, जो आपका मार्गदर्शन करते हैं। मेरी आप सभी को सलाह है कि इसे आप मजबूरी न समझें। आप यहां जो सबक सीखते हैं, वे अनगिनत तरीकों से आपके जीवन को संवारेंगे। ये सभी गुण ऐसे हैं जो सभी को अपनाने चाहिए।

देवियो और सज्जनों,

कोविड-19 महामारी के दौरान भी, भारत स्काउट्स और गाइड्स ने समाज की सेवा करने में अनुकरणीय साहस दिखाया है। मुझे बताया गया है कि इन युवाओं ने अग्रिम पंक्ति के कोविड योद्धाओं के रूप में काम किया है। आपने सामाजिक दूरी बनाए रखने, क्वारंटाइन केंद्रों का प्रबंधन, isolation home और यातायात के साथ-साथ जरूरतमंदों को भोजन और अन्य आवश्यक आपूर्ति के वितरण में सहायता की। आप पूरे देश में कोविड टीकाकरण कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता पैदा करने में भी सहायक रहे हैं।

मेरे प्रिय स्काउट्स और गाइड्स,

जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरा अपेक्षाकृत अधिक गंभीर है। बढ़ते तापमान, समुद्र के स्तर और मौसम की अनिश्चितताओं का प्रभाव काफी स्पष्ट है। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, हमें सुधार के उपाय तत्काल करने होंगे। आप renewable energy को अपनाने के साथ-साथ carbon footprint को कम करके, और Sustainable Development Practices को बढ़ावा देते हुए जन-जागरण के इस प्रयास में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

हमारे यहां हिमालय से लेकर पूरे देश में फैले वनों में पौधों और जीव-जंतुओं की प्रजातियों की व्यापक विविधता उपलब्ध है। एक स्काउट और गाइड के रूप में, यह आपका कर्तव्य है कि आप लोगों को bio & diversity की रक्षा करने, पर्यावरण संतुलन बनाए रखने और responsible tourism practices को बढ़ावा देने के महत्व के बारे में शिक्षित करें।

विश्व में आज भारत एक युवा देश माना जाता है। युवाओं की यह सभा एक Mini Young India का प्रतीक है। आप राष्ट्र के भविष्य निर्माता हैं। यह आपकी जिम्मेदारी है कि आप भारत के भविष्य को सुंदर स्वरूप प्रदान करें। देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, और 'अमृत काल' में प्रवेश कर चुका है। मेरा आह्वान है कि आप सभी समाज और राष्ट्र के सामने आने वाली भविष्य की चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए बड़े लक्ष्य की ओर आगे बढ़ें। दुनिया तेजी से बदल रही है और आपको future & ready रहना होगा।

भविष्य को संवारने के लिए पहली शर्त होती है, अपने आप पर भरोसा करना, और इस बात पर पूरा भरोसा करना कि हमारा भविष्य उज्ज्वल है। साथ ही, यह हौसला भी बनाए रखना होता है कि जो भी बाधाएं आएंगी, उन पर हम विजय प्राप्त करेंगे। मैंने विश्व के सबसे प्रसिद्ध स्काउट्स में से एक, मार्टिन लूथर किंग जूनियर का उल्लेख किया था। उनके नेतृत्व में एक ऐतिहासिक Civil Rights Movement हुआ था। उस movement के दौरान, जो गीत गाया जाता था, वह आज भी पूरी दुनिया में लोकप्रिय है। उस प्रेरक गीत की शुरुआत और अंत में लोग एक साथ गाते हैं:

We shall overcome-

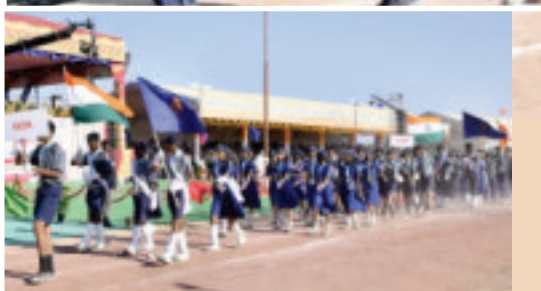
अर्थात्

हम होंगे कामयाब।

अपने मन में, अपनी सफलता के प्रति पूरा विश्वास लेकर आप सभी स्काउट्स और गाइड्स आगे बढ़ें। मैं विश्वास दिलाती हूँ कि कामयाबी आप सब के कदम चूमेगी।

अंत में, मैं इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के आयोजकों, स्वयं-सेवकों और प्रतिभागियों को अपनी शुभकामनाएं देती हूँ। स्काउट और गाइड अभियान फलता-फूलता रहे और भावी युवा पीढ़ियों को प्रेरित करता रहे। मैं आप सभी के उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

धन्यवाद,
जय हिन्द!
जय भारत!



**महामहिम को
सलामी**
18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के
ध्वजारोहण से शुभारम्भ
के साथ महामहिम
राष्ट्रपति महोदया को
जम्बूरी निरीक्षण के
पश्चात सभी राज्यों की
परेंड टुकड़ी द्वारा एक
हाथ में तिरंगा दूसरे में
स्काउट ध्वज थामे कदम
से कदम मिलाते हुए
सलामी दी गई।



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में राजस्थान नाइट

बिखरी राजस्थानी लोक संस्कृति की छटा



मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने पाली के रोहट में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के दौरान प्रथम दिवस की संध्या में आयोजित 'राजस्थान नाइट' में शिरकत की।

राजस्थान नाइट के दौरान स्काउट-गाइड ने प्रदेश के अलग-अलग क्षेत्रों में प्रचलित लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुतियां दीं। स्टेडियम के बीच जम्बूरी स्थल पर बनाये गए मंच पर राजस्थानी लोक संस्कृति से सरोबार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां हुईं। इस दौरान राजस्थान के प्रसिद्ध कलाकारों ने भी प्रस्तुतियां देकर पहले दिन की संध्या को यादगार बनाया।

समारोह में शिक्षा मंत्री डॉ. बी.डी. कल्ला, भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन, राजस्थान राज्य भारत स्काउट एवं गाइड के अध्यक्ष श्री गोविन्द सिंह डोटासरा, राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य, पूर्व सांसद श्री बन्नीराम जाखड़, स्काउट-गाइड के पदाधिकारियों सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।



भारतीय संस्कृति का संगम

राष्ट्रीय जम्बूरी में देश के विभिन्न राज्यों के रंग दिखाई दिये। स्काउट-गाइड की अपनी-अपनी लोक संस्कृति से जुड़े नृत्यों की प्रस्तुति से ऐसा लगा कि यह जम्बूरी भारतीय संस्कृति का संगम बन गई है। सांस्कृतिक संध्या के दौरान विविधता में एकता की झलक दिखी। राजस्थान झारखंड, बिहार, उड़ीसा, नागालैंड, मध्यप्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा सहित अन्य राज्यों के स्काउट-गाइड द्वारा दी गई सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आकर्षण का केन्द्र बनी रहीं। राजस्थान के विभिन्न जिलों के स्काउट-गाइड दल ने अपनी प्रस्तुतियों से प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रदर्शन किया।



कैम्प क्राफ्ट

स्काउट गाइड ने कैम्प क्राफ्ट में अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। प्रदेश के उच्च शिक्षा राज्य मंत्री श्री राजेन्द्र यादव एवं राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने स्वयं कैम्प क्राफ्ट का अवलोकन किया और वहाँ बच्चों द्वारा बनाये गये खाना बनाने का चूल्हा, बर्तन स्टेण्ड, कपड़े रखने का स्थान, झूठे बर्तन रखने का स्थान, जूता स्टेण्ड, रजाई स्टेण्ड, मटका स्टेण्ड, सूखा कचरा पात्र, गीला कचरा पात्र, झूला, कुर्सी, टेबल, समाचारपत्र स्टेण्ड इत्यादि देख अचंभित हुए।



जम्बूरी प्रातःकालीन झण्डारोहण

जम्बूरी के द्वितीय दिवस 5 जनवरी के कार्यक्रमों का शुभारम्भ मुख्य अतिथि पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल श्री दिलीप सिंह द्वारा झण्डारोहण के साथ हुआ। इस अवसर पर श्री बीरेन्द्र सिंह राठौर ब्रिगेडियर सहित कर्नल गजेन्द्र सिंह राठौर, जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल दिलीप सिंह खगरोल विशेष रूप से उपस्थित थे।

मुख्य अतिथि का स्वागत राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जेन ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह प्रदान कर किया। मुख्य अतिथि ने अपने आशीर्वचन में कहा कि यह जम्बूरी स्काउट्स गाइड्स के शारीरिक स्वास्थ्य, शिक्षा एवं बौद्धिक विकास के लिए उपयोगी साबित होगी। यहाँ युवा अपसी मेलजोल, सौहार्द, स्नेह एवं समर्पण की भावनाओं से लाभाश्वित होंगे।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि ने पाली क्षेत्र के शहीदों की पत्नियों एवं वीरांगनाओं को सम्मानित किया।



तृतीय दिवस 6 जनवरी को जम्बूरी का शुभारम्भ जोधपुर में स्काउट गाइड की भावात्मक एकता रैली के साथ हुआ। जम्बूरी के प्रतिभागियों ने जोधपुर शहर में पैदल मार्च निकाला। मार्च टाउनहॉल से शुरू होकर आटीडीसी होटल, जिला कलक्ट्रेट, पावटा सर्किल, बलदेवराम मिर्धा किल, नैनीबाई मंदिर होते हुए श्री उम्मेद राजकीय स्टेडियम पर सम्पन्न हुआ। महापौर श्रीमती कुंती देवड़ा और विधायक श्रीमती मनीषा पंवार ने मार्च को हरी झंडी दिखाई। प्रतिभागियों ने बाद में जोधपुर शहर के विभिन्न पर्यटन स्थलों और महत्वपूर्ण संस्थानों का भ्रमण भी किया।

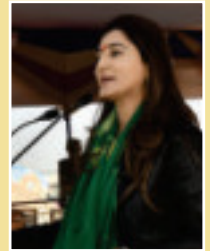


चतुर्थ दिवस 7 जनवरी को राष्ट्रीय जम्बूरी में ध्वजारोहण के साथ बैण्ड प्रतियोगिता आयोजित हुई। समारोह के मुख्य अतिथि भारतीय सेना के ले. जनरल राकेश कपूर थे। अध्यक्षता स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने की। विशिष्ट अतिथि श्रीमती रुक्मणि कुमारी, रोहट एसडीएम श्री शक्ति सिंह एवं डीवाईएसपी श्रीमती मंगलेश चुण्डावत रहे।

अपने उद्बोधन में ले. जनरल राकेश कपूर ने कहा कि स्काउट चार सिद्धान्तों पर आधारित है उसमें चरित्र व अनुशासन महत्वपूर्ण है जिसकी देश को जरूरत है। उन्होंने स्काउट व गाइड द्वारा की जा रही निःस्वार्थ सेवा के लिए संगठन को बधाई दी। उन्होंने कहा कि समय परिवर्तनशील है, देश के युवा वर्ग के समक्ष अनेक चुनौतियां भी होगी। ऐसे में सभी की जिम्मेदारी अधिक बढ़ जाती है। उन्होंने बताया कि भारतीय सेना की 12वीं कौर ने जम्बूरी में आर्मी मेला लगाया है जिसका उद्देश्य भारतीय सेना के कौशल व अति आधुनिक हथियारों से देशभर के स्काउट गाइड को अवगत करवाना है। उन्होंने जम्बूरी के सफल आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की। इस अवसर पर उन्होंने आर्मी मेले का उद्घाटन स्काउट राघव सोनी एवं गाइड तमन्ना शर्मा द्वारा

करवाया।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए श्रीमती रुक्मणि कुमारी ने जम्बूरी में बड़ी संख्या में गाइडर की भागीदारी पर खुशी जताते हुए जम्बूरी के ऐतिहासिक आयोजन के लिए



राज्य सरकार तथा श्री निरंजन आर्य का आभार जताया।

स्टेट चीफ कमिश्नर निरंजन आर्य ने अतिथियों का स्वागत करते हुए बताया कि केन्द्रीय नेतृत्व ने राजस्थान संगठन को जम्बूरी की मेजबानी सौंपी जिसका ईमानदारी से पालन करने का प्रयास किया गया। देश के विभिन्न राज्यों के 37000 से अधिक स्काउट-गाइड व विदेशी प्रतिभागियों का हिस्सा लेना अपने आप में जम्बूरी की सफलता का प्रमाण है।

बैण्ड प्रतियोगिता के दौरान राजस्थान बैण्ड की प्रस्तुति पर पूरा पांडाल तालियों से गूंज उठा। मुख्य अतिथि इतने प्रभावित हुए कि बैण्ड लीडर सोजत की नाजिया अशरफी को मंच पर सम्मानित किया। अंत में राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने आभार व्यक्त किया।

जम्बूरी के पांचवे दिन 8 जनवरी को जोधपुर वायु सेना मुख्यालय के एयर कोमोडोर श्री जे.पी.एस. बैंस के मुख्य अतिथि और नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव श्री कुंजीलाल मीणा की अध्यक्षता में ध्वजारोहण एवं एडवेंचर गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। अतिथियों ने मार्चपास्ट की सलामी ली।

मुख्य अतिथि एयर कोमोडोर श्री बैंस ने अपने उद्बोधन में लोगों को स्काउट से अनुशासन ईमानदारी जैसे श्रेष्ठ गुणों को अपने जीवन में उतारने का आह्वान किया।

प्रमुख शासन सचिव श्री मीणा ने कहा कि 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में राजस्थान एक बार फिर ट्रेंड सेटर के रूप में उभर रहा है और



मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के द्वारा किए गये अथक प्रयासों के परिणामस्वरूप यह आयोजन भविष्य में अन्य राज्यों में होने वाली जम्बूरी के लिए मील का पत्थर साबित होगा। श्री मीणा ने कहा कि इस तरह का सफल आयोजन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणादायक होगा।

1956 की जम्बूरी के साक्षी का सम्मान

कार्यक्रम में राजस्थान में 1956 में हुई दूसरी राष्ट्रीय जम्बूरी के साक्षी रहे श्री जस्सारांम बागड़ा का सम्मान भी किया गया। श्री बागड़ा दूसरी राष्ट्रीय जम्बूरी का हिस्सा थे उन्होंने उस वक्त के अपने अनुभवों को साझा किया और कहा कि जिस तरह के इंतजाम राजस्थान सरकार ने इस 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में किए हैं वह अकल्पनीय हैं।



युवाओं का जोश और जज़्बा

राष्ट्रीय जम्बूरी के दौरान स्काउट-गाइड ने अपने जोशिले साहसिक प्रदर्शन से सभी को चौंकाया। राष्ट्रीय जम्बूरी के इतिहास में पहली बार कृत्रिम तालाब तैयार कर वाटर एक्टिविटी एवं हॉट-एयर बैलून राइड व पैरा-ग्लाइडिंग कराना बहुत बड़ी उपलब्धि रही है। देशभर के स्काउट-गाइड के जोश ने अपनी ऊर्जा और साहस से सभी को आश्चर्यचकित किया। विभिन्न दलों के और व्यक्तिगत रूप में स्काउट-गाइड ने वाटर एक्टिविटी, दीवार पर सीधी चढ़ाई, स्काई साइक्लिंग, ज़िप लाइन, टायर टनल, टायर वॉल, बम्बू वॉल, लैंडर क्रॉसिंग, बैलेन्सिंग बार इत्यादि अनेक बाधाएं पार कर सभी को अर्चभित किया।



साहस और रोमांच से परिपूर्ण साहसिक गतिविधियां



जम्बूरी में ग्रामीण परिवेश की झाँकी



राष्ट्रीय जम्बूरी में जहाँ स्काउट-गाइड की विभिन्न गतिविधियों का संचालन सुचारु रूप से सम्पन्न किया गया, वहीं राजस्थान की लोककला, संस्कृति, वेशभूषा, खानपान व रहन-सहन व ऐतिहासिक धरोहर का बड़े ही रोचक ढंग से दर्शाने हेतु विशेष रूप से जम्बूरी गाँव की झाँकी प्रदर्शित की गई।

इस प्रदर्शनी की कल्पना व बनावट को झुंझुनू (राजस्थान) के सर्कल ऑर्गेनाइजर महेश कालावत के साथ प्रियंका, सुनीता मीणा,



कान्ता शर्मा सहित सर्विस रोवर्स ने साकार कर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों की पारम्परिक झोंपड़ी, कुएँ,

वेशभूषा, खेतीबाड़ी इत्यादि को दर्शाया। राजस्थान वीरों की भूमि रही है, उनके ऐतिहासिक स्थल को भी कलात्मक ढंग से स्काउट गाइड सदस्यों ने प्रस्तुत किया। जम्बूरी गाँव स्काउट गाइड सहित असंख्य दर्शकों के लिये उत्सुकता का विषय बना रहा।



OVERSEAS CONTINGENT



विदेशी प्रतिभागी

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश, घाना, सऊदी अरब, मलेशिया, आदि देशों के लगभग 400 स्काउट गाइड ने सहभागिता कर विभिन्न प्रतियोगिताओं व गतिविधियों में हिस्सा लिया और अपने देश की सभ्यता व संस्कृति से अन्य स्काउट गाइड को अवगत कराया तथा स्वयं ने भारत के बारे में जाना।



विविध झाँकी प्रदर्शन

जम्बूरी में सहभागिता कर रहे विभिन्न राज्यों के स्काउट गाइड दलों ने 7 जनवरी को झाँकियों के माध्यम से राष्ट्रीय और क्षेत्रीय विविधता का अनूठा प्रदर्शन किया। सभी ने अपनी स्थानीय कला, संस्कृति, ऐतिहासिक घटनाओं, सामाजिक व धार्मिक मान्यताओं आदि को प्रदर्शित किया।

राजस्थान की झाँकी में राज्य के विभिन्न इलाकों की कलाओं, रीति-रिवाजों, पहनावे आदि प्रस्तुत किए गए। जयपुर की तीज की सवारी, सीकर की खाटूश्याम बाबा की यात्रा सहित अन्य उत्सवों के पारंपरिक परिधानों और अलग-अलग इलाकों की संस्कृति को प्रदर्शित किया गया।





एथनिक शो

जम्बूरी के पांचवें दिन की संध्या को स्काउट गाइड ने अपने राज्य के पारम्परिक परिधान व वेश-भूषा धारण कर साज-श्रृंगार के साथ एथनिक शो में रैम्प-वॉक कर आकर्षण का केन्द्र बनाया। सभी दर्शकों ने मुख्य मंच पर सम्पूर्ण राष्ट्र की छवि को देख व निहार कर स्वयं को आनन्दित और उल्लासित महसूस किया और करतल ध्वनि से स्काउट गाइड के मनोबल में वृद्धि की।



राजस्थान दिवस



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का

पाँचवा दिन 8 जनवरी राजस्थान के नाम रहा जहाँ रविवार को राजस्थान दिवस मनाया गया।

मुख्य अतिथि राज्य मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने मारवाड़ की धरती को प्रणाम कर जय जय जम्बूरी के उद्घोषणा के साथ दर्शकों से राजस्थानी भाषा में संवाद किया।

कार्यक्रम में राजस्थानी वेश भूषा में रंगे स्काउट्स एवं गाइड ने घुंघरू की झंकार लिए सुरीले राजस्थानी गीतों पर अपनी अनूठी लोक सांस्कृतिक परंपरा को जीवंत किया।

कार्यक्रम के आकर्षण केंद्र राज्य के लोक कलाकार पद्मश्री अनवर खान द्वारा प्रस्तुत राम सा पीर, धरती धोरा री जैसे एक से बढ़ कर एक राजस्थानी गीत रहें जिन पर दर्शक भी झूमने को विवश हो गए। आओ नी पधारो म्हारें देश से होती हुई सांस्कृतिक संध्या में जब टोंक जिले के वनस्थली विद्यापीठ ने चरी नृत्य और चूरू का कलबेलिया नृत्य प्रस्तुत किया तो सामने बैठा हर एक व्यक्ति



मंत्रमुग्ध हो गया।

आगंतुकों में स्काउट एवं गाइड द्वारा लगाए गए राजस्थानी फूड मेले का भी खासा उत्साह रहा, जहाँ पर बड़ी



संख्या में लोगों ने राजस्थानी जायकों का आनंद लिया।

स्टॉल्स पर अतिथियों द्वारा भीलवाड़ा की मशहूर बालू शाही, नागौर की पंचकुटा की सब्जी, सवाई माधोपुर के दाल के बड़े, बीकानेर का रसगुल्ला, चूरू का आटे का मगद, श्री गंगानगर का सरसों का साग, हनुमानगढ़ के मोठ के पकोड़े, झुंझनू के चिड़ावा के पेड़े, सीकर की केर सागरी, अलवर का बाजरे का चूरमा, पाली का गुलाब हलवा, जैसलमेर की राबड़ी और बाजरे की रोटी, जोधपुर के मिर्ची बड़े आदि व्यंजनों का आगंतुकों ने लुप्त उठाया और मौजूद स्काउट्स गाइड्स की सराहना की। पगड़ी पहने स्काउट्स और राजस्थानी वेशभूषा पहनी गाइड्स ने आगंतुकों को लजीज व्यंजन परोसे।

रविवार को राजस्थान दिवस के साथ साथ जम्बूरी में उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश, बिहार व महाराष्ट्र दिवस भी मनाया गया।



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का समापन समारोह

जय-जय जम्बूरी के जयघोषों के साथ जम्बूरी का हुआ समापन

केंद्रीय मंत्री श्री अनुराग ठाकुर, मंत्री श्री बी डी कल्ला, मंत्री श्री टीकाराम जूली सहित अन्य अतिथियों ने की शिरकत



18वीं राष्ट्रीय स्काउट-गाइड जम्बूरी का समापन समारोह सोमवार 9 जनवरी, 2023 की सांय केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण तथा खेल एवं युवा मामले मंत्री भारत सरकार श्री अनुराग ठाकुर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। प्रदेश शिक्षा मंत्री श्री बी.डी. कल्ला, जिले के प्रभारी और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली, भारत

स्काउट गाइड अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन व नेशनल कमिश्नर डॉ. के.के. खंडेलवाल व स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य बतौर अतिथि शामिल हुए। प्रारम्भ में केंद्रीय मंत्री श्री ठाकुर ने परेड का निरीक्षण कर मार्च पास्ट की सलामी ली। देश के विभिन्न प्रान्तों और सार्क देशों से आए दलों ने परेड की। वहीं बैंड वादन का भी प्रदर्शन किया।



समापन समारोह में केंद्रीय मंत्री श्री ठाकुर ने भव्य और अनुशासित आयोजन के लिए मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत, स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य सहित सभी को बधाई दी। स्काउट-गाइड से मुखातिब होते हुए कहा कि जम्बूरी 'एक भारत-नेक भारत' का साकार रूप है। जम्बूरी में भाग लेने का अवसर मिलना सौभाग्य है। इसमें युवा स्वयं नए दोस्त बना सकते हैं। आज जो नेटवर्क बनाओगे वहीं जीवन भर काम आएगा। उन्होंने कहा कि परेशानियों से भागना आसान होता है, मुश्किलों से लड़ने वालों के कदमों में ही जहां होता है।

शिक्षा मंत्री श्री बी.डी. कल्ला ने कहा कि स्काउट गाइड परोपकार का पर्याय हैं। स्काउट गाइड जम्बूरी में सीखी अनुशासन और स्वावलंबन की बातों को आत्मसात करते हुए परोपकार के आदर्श स्थापित करें।

पाली जिले के प्रभारी और सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग मंत्री श्री टीकाराम जूली ने इस अद्वितीय आयोजन के लिए मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जम्बूरी पर मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत का पूरा फोकस था। वे स्वयं समय समय पर तैयारियों की समीक्षा करते रहे और स्वयं जम्बूरी स्थल पर पहुंच कर निरीक्षण किया। स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य और उनकी पूरी टीम ने समर्पित भाव से कार्य किया, तब कहीं जाकर यह ऐतिहासिक आयोजन मूर्त रूप ले पाया है। उन्होंने सरकार और पूरे जिले की ओर से देश-विदेश से आए स्काउट-गाइड का आभार व्यक्त किया। समारोह को भारत

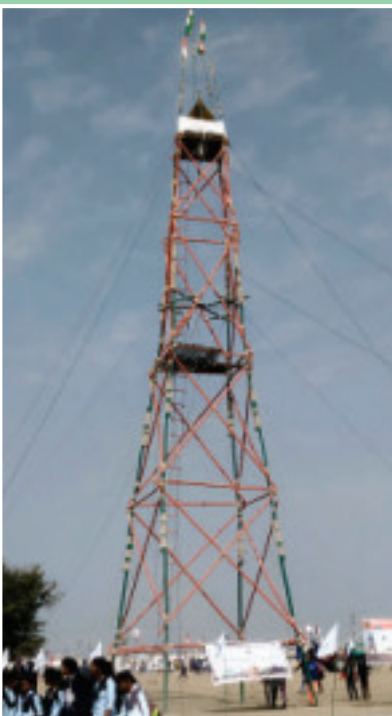
स्काउट-गाइड संघ के अध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार जैन, नेशनल चीफ कमिश्नर डॉ. के.के. खंडेलवाल व स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने भी विचार व्यक्त किये। स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने स्वागत उद्बोधन देते हुए 4 जनवरी से प्रारम्भ हुई जम्बूरी के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम में मारवाड जंक्शन विधायक श्री खुशवीरसिंह जोजावर, एडीएम प्रशासन श्री चंद्रभानसिंह भाटी, एडीएम सिलिंग जब्बरसिंह, यूआईटी सचिव श्री वीरेन्द्रसिंह चौधरी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बाली श्री बृजेश सोनी, पूर्व सांसद श्री बद्रीराम जाखड़, समाजसेवी श्री महावीरसिंह सुकरलाई, रोहट प्रधान सुनीता कंवर, जिला क्रीड़ा उपाध्यक्ष श्री यशपालसिंह कुम्पावत, कार्यक्रम के स्टेट कॉर्डिनेटर श्री टीकम चन्द बोहरा, स्टेट कमिश्नर डॉ. अखिल शुक्ला, राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन सहित अन्य वरिष्ठ जनप्रतिनिधिगण, प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारीगण मौजूद रहे।

दिखी एक भारत-नेक भारत की झलक

जम्बूरी स्थल पर बने ऐरिना में समापन समारोह के दौरान 'एक भारत-नेक भारत' की झलक दिखी। देश के भिन्न-भिन्न प्रान्तों से आये दलों ने जहां डाल-डाल पर सोने की चिड़िया करती है बसेरा.... गीत पर अपने-अपने क्षेत्र के लोक नृत्यों की एक साथ प्रस्तुति दी। इससे ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो पूरा हिंदुस्तान जम्बूरी मैदान में सिमट आया हो।

ऊँचे-ऊँचे टावर देख अभिभूत हुए स्काउट गाइड



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया जिसमें उत्तर प्रदेश एवं राजस्थान स्टेट भारत स्काउट एवं गाइड ने टावर मेकिंग प्रतियोगिता में ऊँचे ऊँचे टावर बनाकर सभी को अभिभूत किया।

उत्तर प्रदेश ने 48 घण्टे में 110 फीट का टावर तैयार कर एक नया कीर्तिमान बनाया। 110 फीट के टावर के पास 50 मीटर की दूरी पर 35 फीट का एक टावर ओर बनाकर 150 मीटर की जिपलाईन एडवेंचर एक्टिविटी से दोनों टावरों को जोड़कर बनाया।

राजस्थान द्वारा 71 फीट ऊँचा टावर बनाकर एक बार फिर पिछली जम्बूरियों की तरह अपने चिर-परिचित कला व कौशल का परिचय दिया। जम्बूरी में आये सभी अधिकारी गणों ने टावर को देखकर भूरी-भूरी प्रशंसा की।





बैण्ड वादन

जम्बूरी एरिना में प्रत्येक दिन के कार्यक्रमों की शुरुआत प्रातःकाल ध्वजारोहण के साथ होती। इस अवसर पर स्काउट गाइड बैण्ड देश-भक्ति गानों पर मधुर धुनों के साथ सभी को उत्साहित करते रहे। जम्बूरी के उद्घाटन व समापन समारोह में विभिन्न राज्यों के बैण्ड ने अपनी मधुर धुनों के साथ सभी को देश-भक्ति से सराबोर किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं में बैण्ड वादन की प्रतियोगिता भी आयोजित हुई, जिसमें सभी ने अर्चभित करने वाले कदमताल के साथ वादन कौशल का शानदार प्रदर्शन किया।

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी का पुरस्कार समारोह

वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को किया सार्थक



जम्बूरी के अन्तिम दिवस 10 जनवरी को आयोजित 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के पुरस्कार समारोह में सर्वश्रेष्ठ राज्य का खिताब राजस्थान के नाम रहा। आयोजन में सम्मिलित हुए 52 राज्यों में राजस्थान अव्वल स्थान पर रहा। समारोह के मुख्य अतिथि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली ने कहा कि

जिस मंशा के साथ मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने इस आयोजन की नींव रखी थी वह आज साकार हुई है और इस आयोजन से प्रदेश ने देश दुनिया में अपनी छाप छोड़ी है।

राष्ट्रीय जम्बूरी में भाग ले रहे राज्यों में राजस्थान ने सभी क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर चीफ नेशनल कमिशनर पुरस्कार एवं पताका अपने नाम की। साथ ही दोनों ही श्रेणियों -स्काउट विभाग की नेशनल कमिशनर शील्ड फॉर स्काउटिंग और गाइड विभाग की नेशनल कमिशनर शील्ड फॉर गाइडिंग में अवार्ड राजस्थान ने अपने नाम किये।

श्री जूली ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत के प्रयासों से यह आयोजन ख्वाबों से भी ऊपर रहा तथा इतिहास में अब तक हुई जम्बूरियों में यह सर्वश्रेष्ठ जम्बूरी मुख्यमंत्री के अथक



- चीफ नेशनल कमिशनर अवार्ड एंड फ्लैग राजस्थान के नाम
- जम्बूरी में बने अनेक रिकॉर्ड
- 37 हजार की भागीदारी ने समारोह को बनाया ऐतिहासिक



प्रयासों का ही नतीजा है। गौरतलब है कि इस पूरे आयोजन के दौरान राजस्थान ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए हैं, जिनमें इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में सबसे बड़े अस्थायी स्टेडियम, यूनिफार्म में सर्वाधिक छात्रों द्वारा पर्यावरण प्रदूषण की ली गई शपथ आदी कई रिकॉर्ड बने। इस राष्ट्रीय आयोजन में विभिन्न देशों के कुल चार सौ से ज्यादा प्रतिनिधियों के साथ भारत के अलग अलग हिस्सों से आये 37 हजार से ज्यादा स्काउट्स एवं गाइड्स ने हिस्सा लिया।

भारत स्काउट एवं गाइड के अंतरराष्ट्रीय आयुक्त और प्रदेश के मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस जम्बूरी की यादों को वे सदैव जीवन्त रखें। श्री आर्य ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और अन्य कॉर्पोरेट हाऊस को उनके द्वारा आयोजन में किए गए सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि आयोजन में भारत के विभिन्न राज्यों सहित देश विदेश से आये प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी ने इस आयोजन में चार चाँद लगाये हैं। समारोह में 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी के स्टेट कॉर्डिनेटर श्री टीकम चन्द बोहरा, नेशनल कमिशनर श्यामल बिस्वास, राजकुमार कौशिक निदेशक, भारत स्काउट एवं गाइड के स्टेट सचिव डॉ. पी सी जैन, संयुक्त निदेशक अमर श्रेथी आदि पदाधिकारी व गणमान्य अतिथि मौजूद रहें।



अतिथि देवो भवः

उल्लेखनीय है कि राज्य के मुख्य आयुक्त श्री निरंजन आर्य ने राजस्थान की अतिथि देवो भवः की परंपरा को सार्थक करते हुए प्रदेश को मिले नेशनल कमिशनर शील्ड फॉर स्काउटिंग और नेशनल कमिशनर शील्ड फॉर गाइडिंग उत्तरप्रदेश और उत्तराखण्ड को प्रदान की।



दूसरी राष्ट्रीय जम्बूरी, 1956

राजस्थान
की गौरवमयी
उपलब्धि

18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी, 2023



जयपुर में आयोजित जम्बूरी का मुख्य द्वार



रोहट (पाली) में आयोजित जम्बूरी का मुख्य द्वार



प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री
श्री मोहनलाल सुखाड़िया



राज्यपाल सरदार श्री गुरुमुख निहाल सिंह
उद्घाटन करते हुए



राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को जम्बूरी
पत्रिका भेंट करते राज्यपाल श्री कलराज मिश्र



मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत
प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए



जम्बूरी के शिविर में दैनिक गतिविधि करते स्काउट्स गाइड्स



दैनिक कार्य कर आत्मनिर्भरता का परिचय देती गाइड्स



स्काउट-गाइड के बीच
राज्यपाल श्री निहाल सिंह



पारंपरिक रूप से
सजा एक प्रवेश द्वार



जम्बूरी की भव्यता को दर्शाता
प्रवेश द्वार



स्काउट्स-गाइड्स द्वारा
सांस्कृतिक प्रस्तुति

दूसरी राष्ट्रीय जम्बूरी, 1956



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी, 2023



दूसरी जम्बूरी के फोटो हेतु
सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, जयपुर का आभार

जम्बूरी में उपलब्धियाँ

सबसे बड़ा अस्थाई स्टेडियम



220 हेक्टेयर भूमि में आयोजित 18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में निर्मित स्टेडियम (ऐरिना) को सबसे बड़े अस्थाई स्टेडियम के रूप में 'इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स' में दर्ज किया गया है। यह स्टेडियम 35000 की बैठक क्षमता के साथ बांस, प्लाईवुड व कारपेट से निर्मित किया गया, जिसकी लम्बाई 1461 फीट व चौड़ाई 1048 फीट थी।

हेलिकॉप्टर-हेलीपैड



जम्बूरी स्थल पर महामहिम राष्ट्रपति, माननीय राज्यपाल, माननीय मुख्यमंत्री एवं केन्द्रिय व राज्य के अन्य मंत्रीगण के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग हेतु नव-निर्मित हेलीपैड।

जम्बूरी अस्पताल



जम्बूरी में संभागियों के लिए अत्याधुनिक सुविधायुक्त 2 अस्पताल पूरी अवधि में 24 घण्टे संचालित रहे। अस्पताल में मेडिसिन से सर्जरी, एक्स-रे, सोनोग्राफी सहित 50 से अधिक जांचे, डॉक्टर्स की टीम, एम्बुलेंस, दवाइयाँ एवं 100 से अधिक नर्सिंग स्टाफ चिकित्सा विभाग द्वारा उपलब्ध कराये गये, जिससे संभागियों को समय पर आवश्यक उपचार मिल सका।

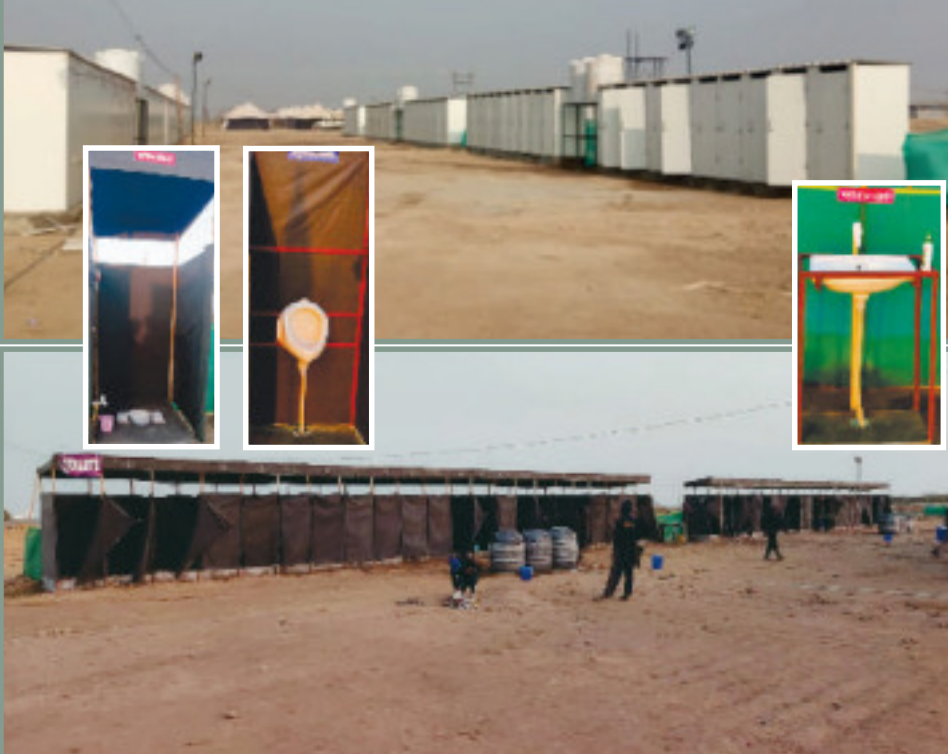
ज़िप लाईन व स्काई साइक्लिंग



18वीं राष्ट्रीय जम्बूरी में प्रतिभागियों के लिए वाटर एक्टिविटीज़ के साथ ज़िप लाईन व स्काई साइक्लिंग गतिविधि का आयोजन कराना राजस्थान के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि रही है।

शौचालय व स्नानघर व्यवस्था

प्री-फेब्रिकेटेड टॉयलेट ब्लॉक



जम्बूरी में गठित समितियों ने प्रत्येक पहलू एवं परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए प्रत्येक कार्य को इस प्रकार से कराया कि किसी भी सहभागी को परेशानी का सामना ना करना पड़े।

इसी कड़ी में जम्बूरी स्थल पर 1633 इंडियन शौचालय, 159 वैस्टर्न शौचालय, 1210 स्नानघर, 51 मुत्रालय तथा 203 वॉशबेसिन बनवाये गये। प्रत्येक ब्लॉक सफाई कर्मी तैनात रहते थे और पानी का टैंकर समय-समय पर टंकियों में पानी भरने का कार्य करते थे, जिससे कभी भी किसी को स्वच्छता व पानी की कमी का सामना नहीं करना पड़ा।

भयंकर ठंड में 37000 संभागियों के स्नान के लिए गर्म पानी की व्यवस्था करना भी एक उपलब्धि रही है।



स्टेट द्वार

प्रत्येक राज्य के शिविर स्थल पर उनके स्टेट द्वार से प्रवेश करना सभी संभागियों के लिए कोतुहल का विषय रहा। सभी राज्यों द्वारा अपने प्रदेश की ऐतिहासिक धरोहर, कला एवं सांस्कृतिक विरासत को दर्शित करने के लिए स्काउटिंग की चिर-परिचित बाँस व रस्सी का उपयोग करते हुए अपने स्टेट द्वार का निर्माण कर जम्बूरी स्थल पर प्रदर्शित किया गया। स्टेट द्वार की प्रतियोगिता में इनमें लगाई गई रस्सी की गाँठों का भी बारीकी से जांच की गई।



गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण



गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट व गाइड के राज्य मुख्यालय भवन पर प्रदेश के स्टेट चीफ कमिश्नर श्री निरंजन आर्य ने प्रातः ध्वजारोहण कर सभी को हार्दिक बधाई देते हुए भारत के गणतंत्र व संविधान की अक्षरशः पालना करते हुए देश के मान व सम्मान को बढ़ाने के लिए आह्वान किया।

इस अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन सहित समस्त अधिकारी व कार्मिक उपस्थित रहे।



राजस्थान बालचर आवासीय विद्यालय में गणतंत्र दिवस के अवसर पर राज्य सचिव डॉ. पी.सी. जैन ने ध्वजारोहण किया। डॉ. जैन ने सभी अध्यापकों व विद्यार्थियों को इस अवसर पर अपने उद्बोधन में देशप्रेम की भावना रखते हुए सदैव अग्रसर रहने तथा सकारात्मक सोच के साथ उज्ज्वल भविष्य के लिए पूर्ण आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आग्रह किया।

इस अवसर पर विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुति में देशभक्ति गीत सुनाए तथा पिरामिड प्रदर्शन कर अपने शारीरिक कौशल का प्रदर्शन किया।





सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री श्री टीकाराम जूली राज्य मुख्यायुक्त श्री निरंजन आर्य को जम्बूरी का सर्वोच्च अवार्ड
चीफ नेशनल कमिशनर फ्लैग प्रदान करते हुए (ऊपर)

सर्वोच्च अवार्ड के साथ श्री निरंजन आर्य एवं राजस्थान स्काउट गाइड के पदाधिकारी व अधिकारी गण

प्रकाशक व मुद्रक : डॉ. पी.सी. जैन, राज्य सचिव, राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स व गाइड्स, जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर
फोन नं. 0141-2706830 द्वारा मैसर्स हरिहर प्रिण्टर्स, जे-97, अशोक चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 फोन : 0141-2600850 से मुद्रित।

हिन्दी मासिक एक प्रति ₹ पन्द्रह

प्रकाशन - प्रत्येक माह

पंजीकृत समाचार पत्रों की श्रेणी के अन्तर्गत

आर.एन.आई. नम्बर : RAJ BIL/2000/1835

प्रेषक :-

राजस्थान राज्य भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, जवाहर

लाल नेहरू मार्ग, बजाज नगर, जयपुर-302015

फोन : 0141-2706830, 2941098

ई-मेल : scoutguidejyoti@gmail.com

Follow us on : [facebook.com/scoutguidejyoti](https://www.facebook.com/scoutguidejyoti)